नवभारत
इंदौर, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025

एक नजर में

नपा की पीआईसी बैठक में 262 प्रकरणो को मिली मंजुरी

मंदसौर। नगर पालिकाा परिषद की प्रोसीडेंट कोसिल की महत्वपूर्ण बैठक कल गुरूवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में नपा की पीआईसी सदस्यगण सभापतिगण सत्यनारायण भांभी, श्रीमती दिपमाला रामेश्वर मकवाना, श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार, श्रीमति शांति दिनेश फरक्या, निलेश जैन, रमेश ग्वाला, श्रीमती निर्मला चंदवानी एवं सीएमओ श्रीमतित अनिता चोकोटिया, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे सहित नपा की विभिन्न शाखाओ के प्रमुख अधिकारीगण भी उपस्थित थे। बैठक म कुल 262 प्रकरणो पीआईसी के मंजुरी प्रदान की गयी। बैठक में कार्यसुची एजेण्डे का वाचन नपा के राजेन्द्र नीमा ने किया।

मुख्यमंत्री यादव ने जिले की 2 लाख 63 हजार बहनों को 39 करोड़ का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ से आज लाड़ली बहनों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 1250 रुपए की नियमित किश्त एवं 250 रुपए का रक्षाबंधन शगुन प्रदान किया। प्रदेश की 1.26 करोड़ बहनों के खातों में 1859 करोड़ रुपए की नियमित किश्त एवं रक्षाबंधन शगुन प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से मंदसौर जिले की मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की 2 लाख 63 हजार 678 लाडली बहनों को 39 करोड़ 55 लाख 17 हजार रुपए की राशि का हितलाभ प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया गया। जिले के हितग्राहियों ने कार्यक्रम को देखा और सुना। इस दौरान जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री बीएल विश्नोई, परियोजना अधिकारी, बड़ी संख्या में लाडली बहने मौजूद थी।

मंदसौर के मुल्तानपुरा गाँव में गिलियन-बैरे सिंड्रोम के मामलों में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में - सीएमएचओ

मंदसौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि गाँव मुल्तानपुरा में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (*Guillain-Barré Syndrome - GBS*) के मामलों में स्थिति नियंत्रण में हैं। कुछ मामलों की सूचना मिलने के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 24 जुलाई से एक व्यापक स्वास्थ्य सर्वेक्षण शुरू किया। यह सर्वेक्षण अभी भी जारी है। अब तक गाँव के लगभग 750 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। अभी तक किसी भी नए संदिग्ध मामले की पहचान नहीं हुई और स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। रोकथाम के उपायों के तहत गाँव के सभी जल स्रोतों से नमूने लिए गए और जल स्रोतों में क्लोरीनेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोग का कारण जलजनित तो नहीं है, जल नमूनों को भी जांच के लिए भेजा गया है। रोग नियंत्रण, जनजागरूकता और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए कई टीमें सक्रिय रूप से क्षेत्र में काम कर रही हैं। टीम में ङ्खष्टस्क्र टीम से डॉ. शुभम सिलावट, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट मेडिकल कॉलेज उज्जैन (जागृति प्रकल्प), सामुदायिक चिकित्सा विभाग डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. कोनिका जैन, डॉ. रोहित दास, डॉ. सेठिया, सामान्य चिकित्सा विभाग डॉ. संजय रावत, फील्ड टीम से सीएचओ पुष्पा पाटीदार, आशा कार्यकर्ता और एमपीडब्ल्यू सेक्टर पर्यवेक्षक लगातार टीम वर्क के रूप में कार्य कर रहे है। फोटो संलग्न स्ध्न-10

मच्छरजनित रोगों से बचाव हेतु नगरपालिका एवं मलेरिया विभाग की संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला

मंदसौर। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपा पाठक ने बताया कि मच्छरजनित रोगों से बचाव हेतु नगरपालिका एवं मलेरिया विभाग की संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.एस.चैहान के निर्देशन में मच्छरजनित रोगों से बचाव हेतु शहर के समस्त नगर पालिका दरोगा 40 वार्ड के प्रभारीयों एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आई.पी.पी.06 मंदसौर में किया गया है। वर्षा ऋतु आने पर डेंगू/मलेरिया से बचाव व संक्रमण को रोकने एवं नियंत्रित करने हेतु लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टीकरण, दवाई छिड़काव, जनजागरूकता एवं फॉगिंग हेतु टेक्निकल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही घरों के बाहर रूके हुये पानी की निकासी एवं शहर के विभिन्न वार्डो में खाली प्लाटों में दवाई छिड़काव, घरों के अंदर, गार्डन में, छत पर रखे टायर मटके, कूलर, पक्षी पात्र में पड़े पानी के होज में लार्वा पाये जाने पर खाली करने के लिए समझाया गया।

डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी मण्डल नीमच की कामकाजी बैठक संपन्न

नीमच। डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी मण्डल नीमच की कामकाजी बैठक बुधवार 6 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई, जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खण्डेलवाल एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हेमन्त हरित ने आगामी कार्यक्रमों - तिरंगा यात्रा, विभाजन की विभीशिका, 10 से 14 तक हर घर तिरंगा अभियान, शहीद स्मारक की सफाई व पुश्पांजलि, सैनिकों का सम्मान व शहीद हुए सैनिकों के परिवारों का सम्मान, 15 अगस्त को झण्डावंदन कार्यक्रम आदि की विस्तृत जानकारी दी। बैठक की शुरूआत भारत माता, डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। मण्डल अध्यक्ष मोहनसिंह राणावत ने स्वागत भाशण प्रस्तुत किया। बैठक में नपाध्यक्ष स्वाति चौपडा व ज्योति सिसौदिया मंचासीन थीं। इस अवसर पर आदित्य मालू, उमंग सुराह, दीपक पुरोहित, पवन सैनी, रचना गर्ग, कृश्णा मेहरा, अंकुश जैन, विश्णु राठौर, अशोक जोशी, आलोक सोनी, रोशन वर्मा, विनीत पाटनी, नीरज अहीर, विरेन्द्र पाटीदार, धर्मेश पुरोहित, अजय वलेचा, लोकेश चांगल, मनीश बामनबर्डी, अरूणा तलरेजा, गिरीराजसिंह चौहान, निशान्त अम्ब सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालन मुखर्जी मण्डल महामंत्री विक्की छाबडा ने किया। अन्त में आभार शान्तिलाल गुप्ता ने व्यक्त किया।

श्रावणी एवं वेद प्रचार सप्ताह, श्रावणी पर्व मनाया जायेगा

नीमच। आर्य समाज, नीमच में श्रावणी पर्व मनाया जायेगा। इस अवसर पर दिनांक 09 अगस्त 2025 को प्रातः 8.30 बजे से विशेष कार्यक्रम तहत मंगलाचरण, ईश प्रार्थना, नवीन यज्ञोंपवित धारण करवाकर ऋषि तर्पण कर विशेष मंत्रों के साथ श्रावणी पर्व पर चारों वेदों के मंत्रों के साथ यज्ञ किया जायेगा व श्रावणी (रक्षाबंधन) पर्व का महत्व बताया जायेगा।

जिला चिकित्सालय मंदसौर को प्राप्त हुआ राष्ट्रीय मुस्कान सर्टिफिकेशन- एक गौरवपूर्ण उपलब्धि

- शिशु एवं बाल हितैषी सेवाओं को समर्पित मुस्कान पहल में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन
- कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धि पर दी

मंदसौर। जिला चिकित्सालय मंदसौर ने शिशु एवं बाल हितैषी सेवाओं को समर्पित राष्ट्रीय स्तर की मुस्कान पहल के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए %मुस्कान सर्टिफिकेशन% प्राप्त कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल अस्पताल के समर्पित कार्य का परिणाम है, बल्कि समस्त स्वास्थ्य टीम के प्रयासों, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

इस अवसर पर कलेक्टर अदिती गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. गोविंद सिंह चौहान, सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत, आरएमओ एवं जिला क्वालिटी नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ मंडवारिया, जिला चिकित्सालय क्वालिटी नोडल डॉक्टर अरविंद वर्मा, एवं बाल रोग विभाग के चारों नोडल अधिकारीगण, तथा पूरे मुस्कान कार्यक्रम की टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।

सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान अस्पताल की सेवाओं, विशेष रूप से नवजात एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं, परामर्श, संक्रमण नियंत्रण, मातृशक्ति को सहयोग देने की व्यवस्थाओं, और बाल-अनुकूल वातावरण को बारीकी से आंका गया। अस्पताल ने सभी निर्धारित मानकों को सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए यह गौरव हासिल किया।

कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने इस अवसर पर कहा, यह उपलब्धि मंदसौर जिले की स्वास्थ्य प्रणाली की प्रतिबद्धता और टीम भावना का परिचायक है। हम भविष्य में और भी उच्च मापदंडों की ओर अग्रसर होंगे।

सीएमएचओ डॉ. गोविंद सिंह चौहान ने कहा, यह सफलता संपूर्ण स्वास्थ्य विभाग की एकजुट मेहनत और सतत प्रयासों का परिणाम है। मुस्कान जैसी योजनाएं बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

सिविल सर्जन डॉ. बी एल रावत ने कहा, यह सर्टिफिकेशन पूरी टीम के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। हम सेवाओं की गुणवत्ता को और भी ऊंचाई पर ले जाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

आरएमओ डॉ. सौरभ मंडवारिया ने कहा कि बाल रोगियों के लिए संवेदनशीलता और गुणवत्तापूर्ण देखभाल ही हमारी प्राथमिकता है। यह मान्यता हमारे प्रयासों की पुष्टि है।

मुस्कान कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों को बच्चों के लिए अधिक मैत्रीपूर्ण, सुरक्षित एवं संवेदनशील बनाना है।

यह उपलब्धि मंदसौर जिले के लिए गर्व का विषय है और जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की एक सकारात्मक छवि प्रस्तुत करती है।

पूरे जिलेवासियों एवं जिला चिकित्सालय की टीम को इस गौरवपूर्ण सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता संग्राम, आजादी पर्व पर निबंध, भाषण एवं क्विज का आयोजन

मंदसौर। केंद्रीय संचार ब्यूरो, मंदसौर ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय सांदीपनि शासकीय विद्यालय, साबाखेडा के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 07 अगस्त,2025 को स्वतंत्रता संग्राम, आजादी पर्व एवं तिरंगा यात्रा पर चित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिक्षिका हर्षिता उनियारा ने कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की। निबंध प्रतियोगिता में विजेता रही खुषबू चावडा, लकी कंवर, प्रीति धनगर एवं भाषण प्रतियोगिता में निशा, पूजा एवं वर्षा को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य डी.एस.डाबी ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को नमन करते हुए बताया कि हमारे पूर्वजों के अथक प्रयास एवं बलिदान से हमने स्वाधीनता प्राप्त की है। सीबीसी प्रभारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि हमारे देश में विविधता होने के बावजूद स्वतंत्रता के लिए सभी एक होकर लडे। स्वतंत्रता के लिए असंख्य वीर शहीदों ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना अपना अमूल्य एवं अतुलनीय योगदान दिया। प्रधानाध्याक रतनलाल चौहान एवं रितिका श्रीवास्तव ने बच्चों के बीच प्रश्न मंच का आयोजन किया।

साइबर धोखाधड़ी एवं डिजिटल साक्षरता का जागरूकता कार्यक्रम

मंदसौर। नगर के नूतन स्कूल, मन्दसौर में संस्था अरूणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति द्वारा आईशर फाउण्डेशन के वित्तीय सहयोग से डिजिटल साक्षरता एवं डिजिटल साईबर फाड विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सीमा जैन, प्राचार्य एवं विशेष देवोत्तम चोरे एवं अरुणादेय संस्था के प्रवीण शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में संस्था के ट्रेनर आई.एच.मन्सुरी एवं श्री सुरेन्द्र सिंह भदोरिया द्वारा अतिथियो का पुष्प माला से स्वागत किया गया, कार्यक्रम के प्रारम्भ में मॉस्टर ट्रेनर श्री आई.एच. मन्सुरी द्वारा डिजिटल वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फाड विषय पर उपस्थित छात्र छात्राओ को विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि किस प्रकार साइबर ठग आपकी जमा पूंजी को विभिन्न आधुनिक तरीके से ठग सकते है। इसके लिये सर्तकता जरूरी है। डिजिटल सर्तकता रहेगी तो, कोई भी आपको नुकसान नहीं पहुचा

पायेगा। श्री प्रवीण शर्मा द्वारा उपस्थित जनो को साईबर फाड व सोशल मिडिया प्लेटफार्म, ऑनलाईन पेमेन्ट, फर्जी वेबसाईट आदि के बारे में उदाहरण सहित रोचक जानकारी से अवगत कराकर सावधान रहने हेतु जानकारी दी गई। वर्तमान समय में मोबाईल से होने वाली वित्तीय धोखाधड़ी की सत्य घटनाओ से उपस्थित जन को बताकर जागरूक रहने को कहा श्री सुरेन्द्र सिंह भदोरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार का ओटीपी या लिंक शेयर नहीं करना नही तो आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है, सर्तकता ही बचाव है एवं डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानुन नहीं होता है। ऐसा कोई भी अधिकारी नही कर सकता है, जानकारी दी गई। संस्था के श्री राजेश जोशी एवं भरत रमनानी द्वारा उपस्थित जनो का रजीस्ट्रेशन किया गया एवं सर्तकता किट दी गई, जिसमे साईबर जागरूकता पेम्पलेट, बजट डायरी, पेन दिये गये। कार्यक्रम में विद्याथीर्यो द्वारा साईबर फॉड पर सवाल जबाव किये गये जिनका उपस्थित अतिथियो एवं संस्था के ट्रेनर द्वारा संतोषपूर्वक जबाव दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित छात्र छात्राओ को उपहार वितरित किये गये और नूतन स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक श्री अरूण जी द्वारा संस्था अरूणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति एवं आईशर फाउण्डेशन के प्रति आभार व्यक्त किया एवं कहा कि हमारे छात्र छात्राओ को साईबर फॉड सम्बन्धी बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी आपके द्वारा दी गई जो कि वर्तमान समय में बहुत उपयोगी साबित होगी।

फोटो स्ध्न-7

बया पक्षी की दस्तकारी, तिनका तिनका जोड़ कर बना रहे सुंदर आशियाना ...!

नीमच। प्रजनन काल के चलते इन दिनों बया पक्षी ने घोंसले बनाना शुरू कर दिया है। हल्के पीले रंग का बुनकर प्रजाति का यह नन्हा सा पक्षी, घास के छोटे-छोटे तिनको और पत्तियों को बुनकर लालटेन की तरह लटकता बेहद ही खुबसूरत घोंसले का निर्माण करता है। इसलिए इसे बुनकर पक्षी और ट्रेलर बर्ड भी कहा जाता है। इन दिनों शहर के प्रमुख बड़े संजीवनी नाले क्षेत्र के आसपास, नीमच सिटी शाहबुद्दीन दरगाह पुलिया सहित शिवघाट बडा नाला सहित किलेश्वर इनके सुंदर घोसले बने दिखाई दे रहे है।

एक समय था जब इन पक्षियों की चहचाहट बहुत अधिक सुनाई देती थी और इनके दीदार खेत खलिहानों और नदी नालो के पास आसानी से हो जाते थे लेकिन अब बहुत ही कम देखने को मिलते है, आज यह पक्षी संकट की घड़ी से गुजर रहा है क्योकि इन्हें रहने के लिए अब सुरक्षित स्थानों की कमी हो गई है और इनके घोंसले सिर्फ सुन्दरता के लिए घरो में लटकाए जा रहे है। घोसला बनाने की इसी कुशलता के कारण इन्हें पक्षियों का इंजीनियर कहा जाना तनिक भी गलत न होगा।यह पक्षी कीट पतंगों और मोटे अनाजो को खाता है और झुण्ड में हमें यह खेत,नदी नालो के आसपास दिखाई देते है, यदि हम जलाशयों के आसपास लगे कंटीली झाड़ियो पर नजर डालते तो हमें कई सुंदर घोंसले और इन नन्हे परिंदों की ची-ची करती आवाज हमें रुकने के लिए मजबूर करती है। बया का प्रजनन काल मानसून का समय होता है इसी समय नर बया पक्षी के द्वारा घोसलों का निर्माण किया जाता है और मादा बया पक्षी द्वारा इनका चयन किया जाता है, मधुर आवाज निकालकर और पंखो को हिलाकर नर पक्षी द्वारा मादा को आकर्षित और रिझाने का कार्य किया जाता है।बया प्रजाति के पक्षी अधिकतर अपना घोंसला नहर,नदी और नालो के किनारों के आसपास पाई जाने वाली कंटीली झाड़ियो और पेड़ो में तैयार करते हैं।, इन झाड़ियो में एक साथ कई उल्टे लटकते सुंदर घोंसले देखने को मिलते है।बया प्रजाति में आशियाना नर पक्षी के द्वारा तैयार किया जाता है और मादा बया इसका निरीक्षण कर इसे पसंद करती है यदि यह घोंसला उसे पसंद नहीं आता है तो नर पक्षी के द्वारा फिर से नए घोंसले का निर्माण करना होता है।

27,500 पौधों को बच्चों की तरह सहेज रहीं नवांकुर सखियाँ : तृप्ती

सीतामऊ/नाहरगढ़। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर परियोजना के तहत मंदसौर जिले के 25 सेक्टरों में चयनित 2,500 नवांकुर सखियाँ कुल 27,500 पौधों का संरक्षण कर रही हैं। ये सभी सखियाँ पौधों की देखरेख बच्चों की तरह सहज कर उन्हें बड़ा करने में जुटी हुई हैं। उक्त विचार परिषद की जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी ने सीतामऊ में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। बैठक में वैरागी ने बताया कि हरियाली महोत्सव अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में पर्यावरण सखी का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सेक्टर से दो-दो युवा (युवक-युवतियों) को चिन्हित कर पर्यावरण, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में कार्य हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि 8 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा, जिसमें सभी नवांकुर संस्थाएं, परामर्शदाता, सामाजिक कार्यकर्ता और राष्ट्रप्रेमी शामिल होंगे। 14 व 15 अगस्त को हर घर पर तिरंगा फहराकर सेल्फी ऐप पर फोटो अपलोड करने का भी आह्वान किया गया। विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने बैठक में बताया कि माटी की प्रतिमा अभियान के तहत युवाओं को छोटे-छोटे गणेश प्रतिमाएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बनाकर उन्हें पंडाल में विराजित कर फोटो ली जाएगी। साथ ही, हर विकासखंड में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 5 प्रस्फुटन समितियों का चयन भी किया जाएगा।

समीक्षा बैठक का शुभारंभ खेड़ा हनुमान मंदिर में माल्यार्पण से हुआ। बैठक उपरांत नवांकुर प्रतिनिधियों और परामर्शदाताओं द्वारा परिसर में 11 फलदार पौधे भी रोपे गए। बैठक में नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि दिलीप भटनागर, रजनीश, परामर्शदाता हरिओम गंधर्व, हेमंत गोड, मंगला बैरागी, चरणसिंह चौहान, सत्यनारायण, महेश सोनी, राजेश प्रधान, दिलीप जैन, कैलाश गुर्जर, अर्जुन प्रजापत, शुभम सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर कुशाभाऊ ठाकरे कंवेशन सेंटर में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण कार्यशाला

पॉक्सो अधिनियम बच्चों के सम्मान और सुरक्षा की गारंटी है : प्रभारी मंत्री भूरिया

मंदसौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पॉक्सो एक्ट बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। इस कानून की जानकारी जन-जन तक पहुँचना अत्यंत आवश्यक है, जिससे बच्चे शोषण का शिकार न हों।

मंत्री सुश्री भूरिया गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेंटर में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बाल आयोग के अध्यक्ष द्रविन्द्र मोरे के नेतृत्व में बाल संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य हो रहे हैं। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार का यौन अपराध गंभीर और संज्ञेय है, इसके लिए पॉक्सो एक्ट में कठोर सजा का प्रावधान है। मध्यप्रदेश सरकार ने ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को मृत्युदंड तक दिलवाया है, जो राज्य की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आमजन को इस कानून के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता

है। जब तक समाज सजग नहीं होगा, तब तक बच्चों की सुरक्षा अधूरी रहेगी। हमें परिवार, मोहल्ला, विद्यालय सभी स्तरों पर निगरानी रखनी होगी।

बच्चों की देखरेख और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था-मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि सरकार ने 137 बाल देखरेख संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को आश्रय और पुनर्वास की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 435 अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति और भविष्य निधि का लाभ दिया गया है। वर्तमान में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत 13 हजार 146 बच्चों को प्रायोजन और फोस्टर केयर के अंतर्गत सहायता दी जा रही है। सुश्री भूरिया ने यह भी उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2021 में ऊमध्यप्रदेश बाल संरक्षण नीति 2020ऊ को अधिसूचित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में हर 15 दिन में एक बार पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता सत्र अनिवार्य किया जाए, जिससे बच्चों को अपने अधिकारों और सुरक्षा के उपायों की जानकारी मिल सके। उन्होंने ष्ठङ्खष्ट सदस्यों से आग्रह किया कि वे बच्चों से मानवीय और संवेदनशीलता से मिलें, जिससे बच्चे विश्वास के साथ अपनी बात रख सकें और सही कदम समय पर उठाए जा सकें। उन्होंने बाल आयोग के अध्यक्ष श्री मोरे और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि आयोग के सदस्य लगातार दौरे कर रहे हैं और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। मंत्री सुश्री भूरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बच्चों के हित का विशेष ध्यान रखते हैं, यह उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश के भविष्य के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविन्द्र मोरे ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जानी चाहिए। प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं न्यायोचित निराकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिये यह अनिवार्य है कि शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्रों में अपने वाली चुनौतियों का सजग रहकर समाधान किया जाये। श्री मोरे ने कहा कि समाज के वंचित एवं संवेदनशील वर्गों से आने वाले वलनरेवल बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दिशा में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा एक गंभीर विषय है। उन्होंने बताया कि प्रवासी परिवारों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा हिन्दी माध्यम की प्रारंभिक कक्षाओं की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, विशेष किशोर पुलिस इकाई, सीडब्ल्यूसी (ष्टङ्खष्ट) और जेजेबी (छ्वछ्वक्च) के सदस्यों को पॉक्सो एक्ट के कानूनी और व्यावहारिक प्रावधानों का प्रशिक्षण भी दिया गया।

बच्चों का संरक्षण देश की सामूहिक जिम्मेदारी - धर्मिष्ठाबेन

गुजरात बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती धर्मिष्ठाबेन वी.गज्जर ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के संरक्षण को देश की सामूहिक ज़िम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में बाल अधिकार आयोग अपनी-अपनी संरचनाओं और कार्यपद्धतियों के माध्यम से बच्चों के हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संकट की घड़ी में अनेक विभाग—चाहे वह बाल कल्याण समिति हो, पुलिस इकाई हो या महिला एवं बाल विकास विभाग हो, सभी आपसी समन्वय से बच्चों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का निर्माण करते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि बच्चों से जुड़ी सभी संस्थाओं और तंत्रों को एक-दूसरे के कार्यों में समन्वय स्थापित करना चाहिए और इस भावना से जुड़ते हुए संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए, जिससे हर बच्चे को सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके।